



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 317] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 30, 1982/कार्तिक 8, 1904
No. 317] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 30, 1982/KARTIKA 8, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह मलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(न्याय विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1982

मुम्बई उच्च न्यायालय (गोवा, दमण और दीव पर अधिकारिता
का विस्तारण) कठिनाइयों का दूर किया जाना आदेश, 1982

सा० का० नि० 633(अ) :—केन्द्रीय सरकार द्वारा मुम्बई उच्च
न्यायालय (गोवा, दमण और दीव पर अधिकारिता का विस्तारण) अधिनियम,
1981 (1981 का 26) की धारा 13 की उपधारा (1) के अधीन
किया गया निम्नलिखित आदेश उस उपधारा की अपेक्षानुसार अधिसूचित
किया जाता है, अर्थात्—

केन्द्रीय सरकार, मुम्बई उच्च न्यायालय (गोवा, दमण और दीव पर अधिका-
रिता का विस्तारण, (अधिनियम, 1981 (1981 का 26) की धारा 13
की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित
आदेश करती है, अर्थात्—

1 संक्षिप्त नाम और प्रारंभ: (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम
मुम्बई उच्च न्यायालय (गोवा, दमण और दीव पर अधिकारिता
का विस्तारण) कठिनाइयों का दूर किया जाना आदेश, 1982
है।

(2) यह, उक्त अधिनियम की धारा 2 के खण्ड (क) में यथापरिभाषित
नियत दिन को प्रवृत्त होगा।

2. नियमों और प्रक्रियाओं का अनुकूलन: (1) न्यायिक आयुक्त के न्यायालय
के समक्ष सभी मामलों की (जिसके अन्तर्गत प्रमाणित प्रतियों
और न्यायालय आदेशिकाओं के लिए फीम प्रभारित करने
के नियम भी हैं) प्रक्रिया और संचालन से सम्बन्धित सभी
नियम जो नियत दिन के ठीक पूर्व प्रवृत्त थे (जिन्हें इसमें
इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) प्रवृत्त बने रहेंगे
और उक्त अधिनियम की धारा 9 के अधीन स्थापित मुम्बई
उच्च न्यायालय की न्यायपीठ के (जिसे इसमें इसके पश्चात्
उक्त न्यायपीठ कहा गया है) समक्ष कार्यवाहियों को, उक्त उच्च
न्यायालय की निरसित या परिवर्तित करने की शक्ति के अधीन रहते
हुए यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे। गोवा, दमण और दीव
के न्यायिक आयुक्त के न्यायालय के रजिस्ट्रार द्वारा नियत दिन
के ठीक पूर्व उक्त नियमों के अधीन प्रयोक्तव्य शक्तियों का प्रयोग
उक्त न्यायपीठ के विशेष अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

(2) उक्त नियमों में किसी विशेष विषय पर किसी उपबन्ध के अभाव
में, उक्त न्यायपीठ के समक्ष कार्यवाहियों को मुम्बई उच्च
न्यायालय अपील पक्ष नियम, 1960 लागू होंगे।

(3) नियत दिन के पूर्व गोवा, दमण और दीव संघ राज्य क्षेत्र में
अधीनस्थ न्यायपालिका के मार्गदर्शन के लिए न्यायिक आयुक्त
न्यायालय द्वारा उसे इस प्रयोजन के लिए समर्थ करने वाली
किसी विधि के अधीन बनाए गये नियम, भगला आदेश
होने तक प्रवृत्त बने रहेंगे।

- (4) रिटों के उन प्ररूपों का जिनका अनुसरण मुम्बई उच्च न्यायालय में किया जाता है, अनुसरण उक्त न्यायपीठ के समक्ष कार्य-वाहियों में किया जाएगा।

[सं० 64/1/81-न्याय]

एस० के० शर्मा, उप सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(Department of Justice)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th October, 1982

THE HIGH COURT AT BOMBAY (EXTENSION OF JURISDICTION TO GOA, DAMAN AND DIU) REMOVAL OF DIFFICULTIES ORDER, 1982

G.S.R. 633(E).—The following order made by the Central Government under sub-section (1) of section 13 of the High Court at Bombay (Extension of Jurisdiction to Goa, Daman and Diu) Act, 1981 (26 of 1981) is hereby notified as required by that sub-section namely:—

In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the High Court at Bombay (Extension of Jurisdiction to Goa, Daman and Diu) Act, 1981 (26 of 1981), hereinafter referred to as the said Act, the Central Government makes the following order, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) This order may be called the High Court at Bombay (Extension of Jurisdiction to Goa, Daman and Diu) Removal of Difficulties Order, 1982

(2) It shall come into force on the appointed day as defined in clause (a) of section 2 of the said Act.

2. Adaption of rules and forms.—(1) All the rules relating to procedure and conduct of cases before the Court of the Judicial Commissioner (including rules for the charging of fees for certified copies and for court processes) which were in force immediately before the appointed day (hereinafter referred to as the said rules) shall continue in force and shall be applicable mutatis mutandis to proceedings before the bench of the High Court at Bombay established under section 9 of the said Act (hereinafter referred to as the said bench) subject to the power of the said High Court to repeal or alter them. The powers which were exercisable by the Registrar of the Court of the Judicial Commissioner for Goa, Daman and Diu under the said rules immediately before the appointed day shall be exercised by the Special Officer of the said bench.

(2) In the absence of any provision in the said rules on any particular matter, the Bombay High Court Appellate Side Rules, 1960 shall apply to proceedings before the said bench.

(3) The rules framed by the Court of the Judicial Commissioner under any law enabling him in this behalf for guidance of the Subordinate Judiciary in the Union Territory of Goa, Daman and Diu, before the appointed day shall continue in force until further orders.

(4) The forms of writs as are followed in the High Court of Bombay, shall be followed in proceedings before the said bench.

[No. 64/1/81-Jus.]

S. K. SHARMA, Dy. Secy.